NCERT Solutions For Class 10 Hindi (Sparsh)

CH 6 - कर चले हम फ़िदा

(क) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

1. क्या इस गीत की कोई ऐतिहासिक पृष्ठभूमि है?

उत्तर:- इस गीत को सन 1962 के भारत-चीन युद्ध की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि के समय लिखा गया था| चीन ने तिब्बत की ओर से आक्रमण किया और भारतीय वीरों ने इस आक्रमण का मुकाबला वीरता के साथ किया|

2. 'सर हिमालय का हमने न झुकने दिया', इस पंक्ति में हिमालय किस बात का प्रतीक है?

उत्तर:- हिमालय भारत के मान सम्मान का प्रतीक है| हमारे अनेक शादी के सिर में लड़ते हुए वीरगति को प्राप्त हो गए थेतथा देश के मान सम्मान को सुरक्षित रखा|

3. इस गीत में धरती को दुलहन क्यों कहा गया है?

उत्तर:- जिस तरह दुल्हन को लाल जोड़े में सजाया जाता है उसी तरह भारतीय सैनिकों ने अपने प्राणों की आहुति देकर धरती को खून के लाल रंग से सजा दिया इसलिए इस गीत को दुल्हन कहा गया है|

4. गीत में ऐसी क्या खास बात होती है कि वे जीवन भर याद रह जाते हैं?

उत्तर:- गीतों में हृदय को स्पर्श करने वाली भाषा और संगीत का तालमेल होता है जिससे वे हमें जीवन भर याद रह जाते हैं|

5. कवि ने 'साथियो' संबोधन का प्रयोग किसके लिए किया है?

उत्तर- कवि ने 'साथियो' संबोधन का प्रयोग देशवासियों के लिए किया है, जो देश की एकता को दिखा रहा है। देशवासियों का संगठन ही देश को विकासशील तथा समृद्धशाली बनाता है। देशवासियों का साथ ही देश की 'अनेकता में एकता' को मजबूत बनाता है।

6. कवि ने इस कविता में किस काफ़िले को आगे बढ़ाते रहने की बात कही है?

उत्तर:- कवि की इच्छा है कि यदि सैनिकों की टोली शहीद भी हो जाए तो बाकी बचे हुए सैनिक युद्ध की राह पर बढ़ते चले| यहां देश की रक्षा करने वाले सैनिकों के समूह के लिए काफिले शब्द का प्रयोग किया गया है

7. इस गीत में 'सर पर कफ़न बाँधना' किस ओर संकेत करता है?

उत्तर- इस गीत में 'सर पर कफ़न बाँधना' देश के लिए अपना सब कुछ अर्थात् संपूर्ण समर्पण की ओर संकेत करता है। सिर पर कफन बाँधकर चलने वाला व्यक्ति अपने प्राणों से मोह नहीं करता,

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

अन्यथा अपने प्राणों का बलिदान देने के लिए हमेशा तत्पर रहता है इसलिए हर सैनिक हमेशा मौत को गले लगाने के लिए तैयार रहता है।

8. इस कविता का प्रतिपाद्य अपने शब्दों में लिखिए।

उत्तर:-प्रस्तुत कविता देश के सैनिकों की भाषा में लिखी गई है जो कि उनके देशभक्ति की भावना को दिखाती है| यह कविता सैनिकों के दिल की आवाज को व्यक्त करती हैं जिन्हें अपने देश के लिए किए गए हर कार्य हर बलिदान पर गर्व है|

(ख) निम्नलिखित का भाव स्पष्ट कीजिए-

1. साँस थमती गई, नब्ज़ जमती गई

फिर भी बढ़ते कदम को न रुकने दिया|

उत्तर:- इन पंक्तियों में कवि ने भारतीय जवानों के साहस की सराहना की है| भारतीय जवानों ने चीनी आक्रमण के समय हिमालय की बर्फीली चोटियों पर लड़ाई लड़ी| इतनी ठंड के समय में उनके साथ घुटने लगी थी साथ ही तापमान कम होने से नव भी जम गई थी परंतु वह किसी भी बात की परवाह किए बिना आगे बढ़ते रहे और हर मुश्किल का सामना किया|

2. खींच दो अपने खू से जमीं पर लकीर

इस तरफ़ आने पाए न रावन कोई|

उत्तर:- यह गीत की प्रेरणा देने वाली पंक्तियां हैं कभी का भाव है कि भारत भूमि सीता की तरह पवित्र है शत्रु की रावण हरण करने के लिए उसकी तरफ बढ़ रहा है इसलिए उसको आग्रह है कि हम आगे बढ़ कर उसकी रक्षा करें तथा ऐसी लक्ष्मण रेखा के नीचे की शत्रु आगे बढ़ने ना पाए यानी उसे रोकने का प्रयास करें|

3. छू न पाए सीता का दामन कोई

राम भी तुम, तुम्हीं लक्ष्मण साथियो |

उत्तर:- कवि सैनिकों को बताना चाहता है कि भारत का सम्मान सीता की पवित्रता के समान है देश की रक्षा करना तुम्हारा प्रथम कर्तव्य है देश की पवित्रता की रक्षा राम और लक्ष्मण की तरह करना है नाम तथा लक्ष्मण का कर्तव्य भी हम सबको ही निभाना है|

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in

भाषा अध्ययन

1. इस गीत में कुछ विशिष्ट प्रयोग हुए हैं। गीत के संदर्भ में उनका आशय स्पष्ट करते हुए अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए।

कट गए सर, नब्ज़ जमती गई, जान देने की रुत, हाथ उठने लगे

उत्तर-

1. युद्ध के क्षेत्र में क्षत्रुओं के सर कट जाए

2. युद्ध के समय तापमान इतना अधिक था कि सबकी नब्ज जम गई|

3. शत्रु की तैयारी देख कर सब जान गए कि यह जान देने की रुत है|

4. भगवान के दर्शन होते ही जयकारे के साथ सबके हाथ उठने लगे|

Get More Learning Materials Here : CLICK HERE www.studentbro.in